Publication –Dainik Bhaskar	Page No. 10
Edition – Delhi	Date – 21.11.2020

युवाओं को जागरूक कर रहा 'प्रवाह'

भास्कर न्यूज

नई दिल्ली/लखनऊ। प्रवाह एंड कम्यूटिनी की अशरफ पटेल ने कहा कि हमारा संगठन युवाओं को जागरूक करने के लिए काम करता है। इससे उन्हें ज़्यादा समावेशी पहचान और समाज के निर्माण में मदद कर क्रांतिकारी बदलाव देखा जा रहा है। एक सवाल के जवाब में अशरफ पटेल ने कहा कि हमारे संगठन 'प्रवाह' की स्थापना 1993 में हुई थी। इसी के साथ ही कुछ वर्षों बाद यानी 2008 में कम्यूटिनी संगठन की शुरुआत हुई। यह एक संवहनीय और अभ्यास का जीवंत राष्ट्रीय समुदाय है जो युवा केंद्रित विकास और संवैधानिक मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए संयुक्त कार्यक्रमों, भागीदारी, क्षमता निर्माण और समकालीन समस्याओं पर सार्वजनिक जुड़ाव के ज़रिए युवाओं के लिए 5वीं स्पेस तैयार करता है।

● 17 राज्यों में काम कर रहा है संगठन

उन्होंने बताया कि प्रवाह और कम्यूटिनी– द यूथ कलेक्टिव (सीवायसी) ने मिलकर देश में 17 राज्यों में काम कर रहा है। ये राज्य- उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, राजस्थान, असम, महाराष्ट्र, तमिलनायडु, नागालैंड समेत 17 राज्यों में काम हो रहा है। इन राज्यों से 6,80,000 युवा नेताओं को तैयार किया है, 1200 से ज़्यादा युवा केंद्रित संस्थाओं और 100 नागरिक समाज समूहों के साथ काम किया है। संस्थाओं ने संयुक्त सहयोगात्मक कार्यक्रमों और भागीदारी, लोगों और संस्थाओं के क्षमता निर्माण और किशोरवयीन और युवा जगहों में अनेकों हितधारकों के साथ जुड़ाव के ज़रिए युवाओं के साथ और उनके लिए जगहों को तैयार और सक्षम किया है। अशरफ पटेल ने '5वीं स्पेस' के रुप में युवा विकास के लिए एक अनोखी पद्धति को विकसित किया गया है इस मान्यता के साथ कि नेता ऐसी जगहों में तैयार होते हैं जो सुरक्षित, सक्षम करनेवाली और समावेशी हैं। परिवर्तन लाने वाले और जागरुक सक्रिय नागरिक बनाने के लिए युवा लोगों को गहन आत्म-अन्वेषण में जोड़ते हुए और उनके सामाजिक कृति प्रयोगों को समर्थन देते हुए युवाओं में परिवर्तन लाने पर 5वीं स्पेस ध्यान केंद्रित करती है।

यह सामाजिक समावेश, समग्र विकास की शिक्षा देती है और आज़ादी की भावना, स्वामित्व, प्रेम, शिक्षा और विकास को बढावा देकर सामाजिक उम्मीद को प्रोत्साहित करती है। 'कौशल्य के आगे क्षमताएँ' की रणनीति और पद्धति की विश्वसनीयता के साथ प्रवाह ने शहरी मध्यम-वर्गीय युवा लोगों से लेकर ग्रामीण और आदिवासी पृष्ठभूमिवाले युवाओं तक विभिन्न युवा वर्गों के लिए 50 से ज़्यादा स्वयं से समाज यात्रा की विभिन्न रुप-रेखाएँ निर्मित की हैं।